बच्चों के संस्कार की नींव होते हैं बुजुर्ग: प्राचार्य

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते.

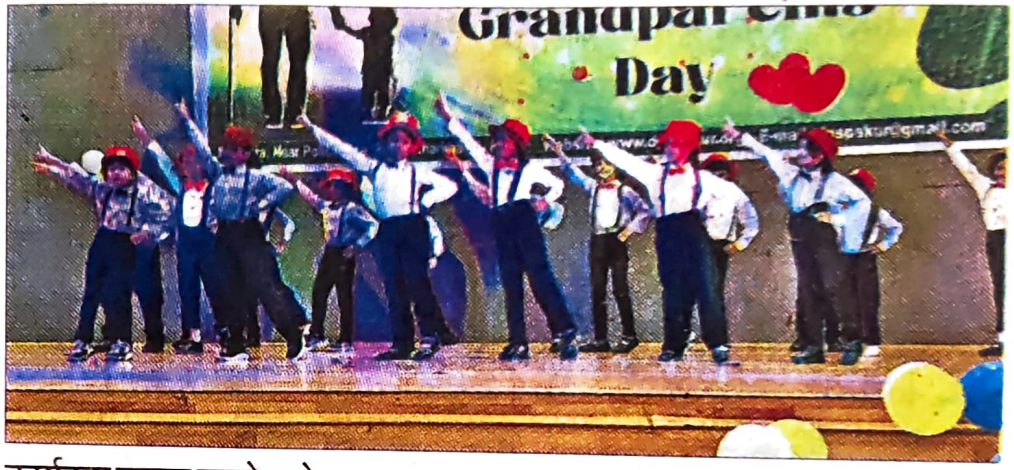

कार्यक्रम प्रस्तुत करते बच्चे.

नगर प्रतिनिधि, पाकुड़

शहर के रवीन्द्र भवन में दिल्ली पब्लिक स्कूल की ओर से सोमवार को ग्रैंडपेरेंट्स डे का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुई. विद्यालय बैंड की प्रस्तुति और स्वागत गीत ने सभी का मन मोह लिया. प्राचार्य जेके शर्मा ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में दादा-दादी एवं नाना-नानी के प्रति सम्मान, प्रेम और कृतज्ञता की भावना विकसित करना है. उन्होंने कहा कि दादा-दादी हमारे अनुभवों का भंडार हैं, जो न केवल परंपराओं से जोड़ते हैं, बल्कि कठिन परिस्थितियों में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी देते हैं. निदेशक अरुणेन्द्र कुमार ने संयुक्त परिवार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बुजुर्ग बच्चों के संस्कारों की नींव होते हैं. सांस्कृतिक कार्यक्रमों में नर्सरी और एलकेजी के बच्चों का लुंगी डांस आकर्षण का केंद्र रहा. इसके अलावा, यूकेजी से कक्षा पांचवीं तक के विद्यार्थियों ने समूह नृत्य प्रस्तुत कर समां बांध दिया. कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों ने एक नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें दादा-दादी के मार्गदर्शन के महत्व को दर्शाया गया. इसके बाद अंतर-गृह नृत्य प्रतियोगिता में एडवेंचर, कैलिबर, चैलेंजर और डिस्कवरी हाउस के छात्रों ने दमदार प्रस्तुतियां दीं. साथ ही, दादा-दादी एवं नाना-नानी ने मजेदार गतिविधियों में भाग लेकर बच्चों के साथ आनंद उठाया.